सं. मो. वि./भम्बाला/48-85/21704.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० आफिसर इन्चार्ज सैन्ट्रल सोयल एण्ड वाटर कन्जरवेशन िसर्च एण्ड ट्रेनिंग इन्स्टीच्यूट, रिसर्च सैन्टर, सैक्टर 27, चण्डीगढ़ (2) सीनियर टैकनीकल असिसटैंट, सैन्ट्रल सोयल एण्ड वाटर कन्जरवेशन रिसर्च एण्ड ड्रेनिंग इन्स्टीच्यूट, मन्सा देवी, पोस्ट औफिस मनीमाजरा, जिला अम्बाला के अभिक भी राम खिलावन तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई भोदोगिक विवाद है:

भीर चुकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायाने ग्यं हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझरी हैं;

इसलिए, श्रव, शोद्योगिक विवाद शिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपसारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा श्रदान की गई शिक्तवों का श्रयोग करते हुए, इरियाणा के राज्यशिव इसके द्वारा सरकारी श्रविश्वचना सं. 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 अर्थल, 1984 द्वारा उनत श्रीवित्यम की बारा 7 के श्रवीन गंटित श्रम न्यायालय, श्रम्बाला, को विवादशस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उस्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादशस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रयवा उनंबित मामला है :---

क्या श्री राम खिलावन की सेवाझों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. भ्रो.वि./श्रम्बाला/48-85/21711.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं॰ श्राफिसर इन्चार्ज, सैन्ट्रल सोयल एण्ड वाटर कुन्जरवेशन रिसर्च एण्ड ड्रेनिंग इन्स्टोच्यूट रिस्चं, सैन्टर, सैक्टर 7, चण्डीगढ़ (2) सीनीयर टैक्नीकल श्रसिसटैंट, सैन्ट्रल सोयल एण्ड वाटर कन्जरवेशन रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग रिसर्च फार्म, मनसा देवी, पोस्ट ग्राफिस मनोमाजरा, जिला श्रम्बाला, के श्रमिक श्री भगत राम तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, श्रीद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 को धारा 10 की उप धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यगल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 3(41)84-3-श्रम, दिनांक 18 श्रप्रैल, 1984 द्वारा उक्त श्रिधिनियम को बारा 7 के श्रवीन गठित श्रम न्यायालय, श्रम्बाला, को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्य यनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा संबंधित मामला है:---

क्या श्री भगत राम की सेवाथ्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं. भो.वि./ग्रम्बाला/48-85/21718.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० ग्राफिसर इन्चार्ज, सैन्ट्रल सोयल एण्ड बाटर कन्जरबेशन रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग इन्स्टीच्थूट रिसर्च सैन्टर, संक्टर 7, चण्डीगढ़ (2) सीनियर टैक्नीकल श्रसिसटेंट, सैन्ट्रल सोयल एण्ड बाटर कन्जरबेशन रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग रिसर्च कार्म, मनसा देवी, पोस्ट ग्राफिस मनीमाजरा, जिला ग्रम्बाला, के श्रमिक श्री राम रतन तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई भौडोगिक विवाद है;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाक्रनीय समझते हैं ;

्त्रसित्ये, प्रव, घौद्योगिक विवाद प्रधितियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी प्रधिसुनना सं. 3(44)84-3 अम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984 द्वारा उक्त अधितियम की धारा 7 के बधीन गठित श्रम न्यायालय, श्रम्बाला, को विवादशस्त या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायिनर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच था तो विवादशस्त भामला है या विवाद से सुसंगत प्रथवा संबंधित मामका है :—

क्या श्री राम रतन की सेवामों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का 🧖 हकदार है ?

- जे०पी० रतन,

रुपं सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम विभाग ।